2. Mittu Hindi Lesson With Explanation

मिट्ठू

बंदर : Monkey

बंदरों के तमाशे तो तुमने बहुत देखे होंगे। मदारी के इशारों पर बंदर कैसी-कैसी नकल करता है, उसकी शरारतें भी तुमने देखी होंगी। तुमने उसे घरों से कपड़े उठाकर भागते देखा होगा। पर आज हम तुम्हें एक ऐसा किस्सा सुनाते हैं, जिससे मालूम होगा कि बंदर बच्चों से दोस्ती भी कर सकता है।

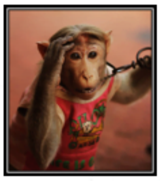

मिट्ठू

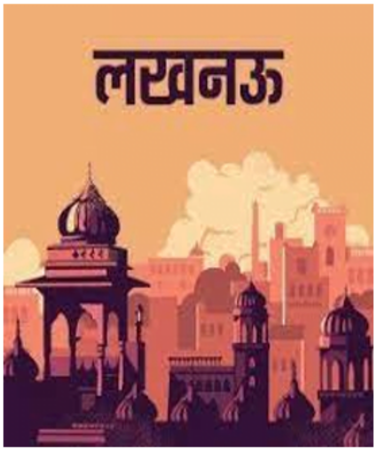

कुछ दिन हुए लखनऊ में एक सर्कस-कंपनी आई थी। उसके पास शेर, भालू, चीता और कई

तरह के अन्य जानवर भी थे। इनके अलावा एक बंदर 'मिट्ठू' भी था। बच्चों के झुंड रोज

मिट्ठू

मिट्ठू

इन जानवरों को देखने आया करते थे। मिट्ठू ही उन्हें सबसे अच्छा लगता था। उन्हीं बच्चों में गोपाल भी था। वह रोज आता और मिट्ठू के

पास घंटों चुपचाप बैठा रहता। उसे शेर, भालू, चीते आदि से कोई प्रेम न था। वह मिट्ठू के लिए घर से चने, मटर, केले लाता और खिलाता।

मिट्ठू भी उससे इतना घुल-मिल गया था कि बगैर उसके खिलाए कुछ न खाता।

मिट्ठू

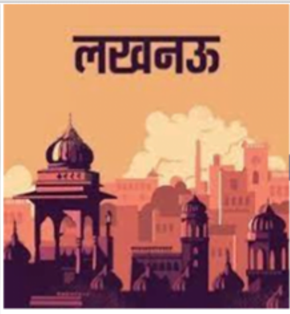

इस तरह दोनों में बड़ी दोस्ती हो गई।
एक दिन गोपाल ने सुना कि
सर्कस-कंपनी वहाँ से दूसरे
शहर में जा रही है।

यह सुनकर उसे बड़ा दुख
हुआ। वह रोता हुआ
अपनी माँ के पास
आया

और बोलने लगा, "अम्मा, मुझे एक अठन्नी दो। मैं जाकर मिट्ठू को खरीद लाऊँ। वह न जाने कहाँ चला जाएगा? फिर मैं उसे कैसे देखूँगा? वह भी मुझे न देखेगा तो रोएगा।"

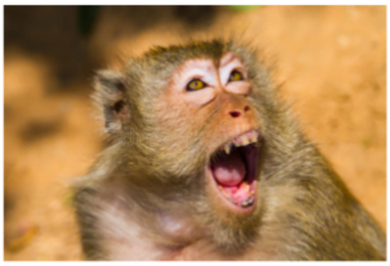

माँ ने समझाया, "बेटा, बंदर किसी को प्यार नहीं करता। वह तो बड़ा शैतान होता है। यहाँ आकर सबको काटेगा, बेकार में शिकायतें सुननी पड़ेंगी।" लेकिन लड़के पर माँ के समझाने का कोई असर न हुआ। वह रोने लगा। आखिर माँ ने मजबूर होकर उसे एक अठन्नी निकालकर दे दी।

अठन्नी पाकर गोपाल खुशी के मारे झूम उठा। उसने अठन्नी को मिट्टी से मलकर खूब चमकाया और मिट्ठू को खरीदने चला। लेकिन मिट्ठू वहाँ दिखाई न दिया। गोपाल का दिल भर आया, मिट्ठू कहीं भाग तो नहीं गया? मालिक को अठन्नी दिखाकर गोपाल बोला, "क्यों साहब, मिट्ठू को मेरे हाथ बेचेंगे?"

मालिक ने चुपचाप सुन लिया, कोई जवाब नहीं दिया। गोपाल मिट्ठू को इधर-उधर ढूँढ़ने लगा। वह उसे ढूँढ़ने में इतना मगन था कि उसे किसी बात की खबर न थी। उसे बिल्कुल मालूम न था कि वह चीते के कठघरे के पास आ गया था। चीता भीतर चुपचाप लेटा था। गोपाल को कठघरे के पास देखकर उसने पंजा बाहर निकाला और उसे पकड़ने की कोशिश करने लगा। गोपाल तो

दूसरी तरफ देख रहा था। उसे खबर ही नहीं थी कि चीते का तेज पंजा उसके हाथ के पास पहुँच गया है।

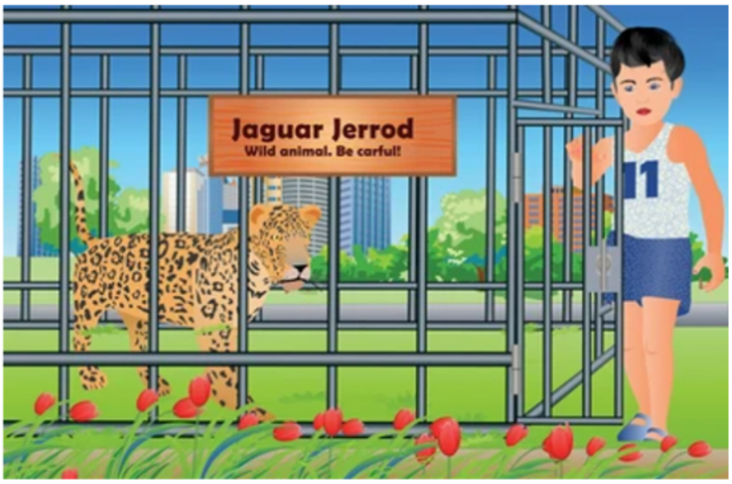

वह इतना करीब था कि चीता उसका हाथ पकड़कर खींच ले। इतने में मिट्ठू न जाने कहाँ से आकर उसके

चीते ने दूसरा पंजा निकालकर मिट्ठू को ऐसा घायल कर दिया कि वह वहीं पर गिर पड़ा और जोर-जोर-से चीखने लगा।

मिट्ठू की यह हालत देखकर गोपाल भी रोने लगा। दोनों का रोना सुनकर लोग दौड़े, देखा तो मिट्ठू बेहोश पड़ा है और गोपाल रो रहा है। मिट्ठू का **घाव** तुरंत धोया गया और **मलहम** लगाया गया। थोड़ी

देर में उसे होश आ गया। वह गोपाल की ओर प्यार भरी आँखों से देखने लगा, जैसे कह रहा हो कि अब क्यों रोते हो? मैं तो अच्छा हो गया।

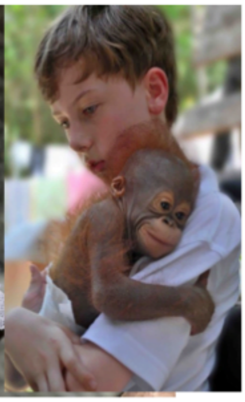

कई दिन मिट्ठू की मलहम-पट्टी होती रही। धीरे-धीरे वह बिल्कुल अच्छा हो गया। गोपाल अब रोज आता और उसे रोटियाँ खिलाता। आखिर कंपनी के चलने का दिन आ गया। गोपाल बहुत दुखी था। वह मिट्ठू के कठघरे के पास खड़ा आँसू भरी आँखों से देख रहा था कि मालिक ने आकर

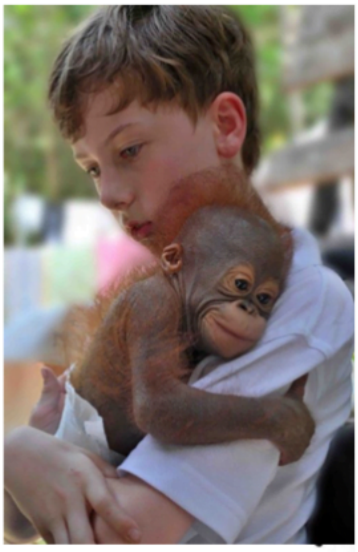

दुखी था। वह मिट्ठू के कठघरे के पास खड़ा आँसू भरी आँखों से देख रहा था कि मालिक ने आकर कहा, “अगर तुम्हें मिट्ठू मिल जाए तो क्या करोगे?”

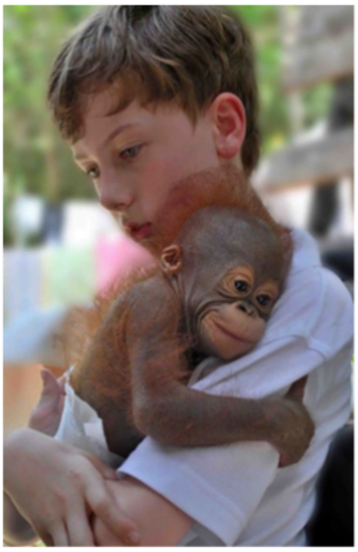

गोपाल ने कहा, “मैं उसे अपने साथ ले जाऊँगा, उसके साथ खेलूँगा। उसे अपनी थाली में खिलाऊँगा, और क्या?”

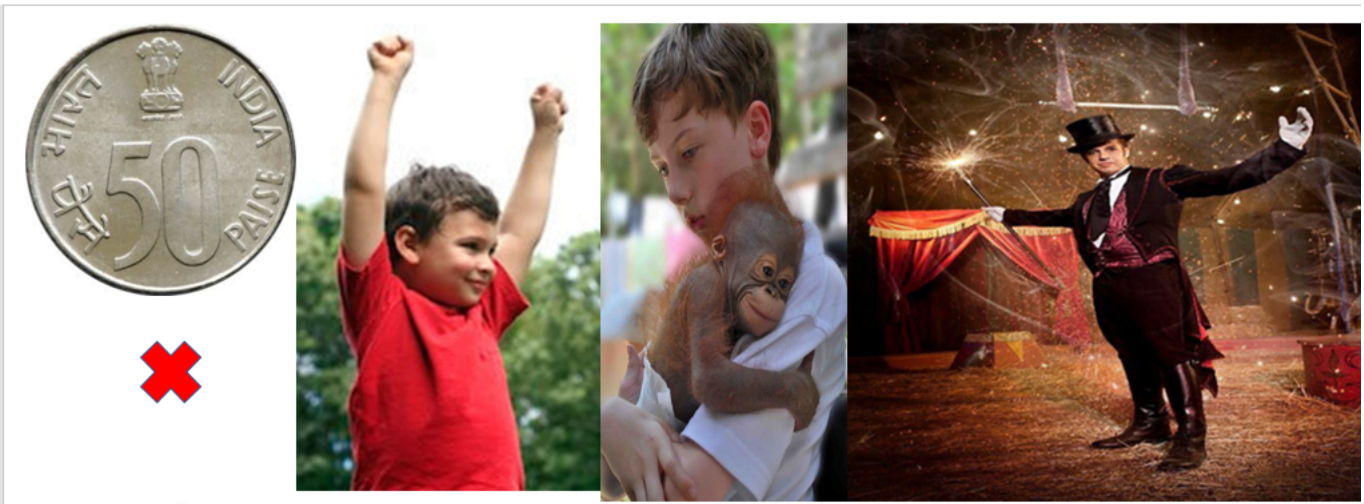

मालिक ने कहा, “अच्छी बात है, मैं बिना अठन्नी लिए इसे तुम्हें दे देता हूँ।” गोपाल को जैसे कोई **खजाना** मिल गया हो। उसने मिट्ठू को गोद में उठा लिया, पर मिट्ठू नीचे कूद पड़ा और उसके पीछे-पीछे चलने लगा। दोनों खेलते-कूदते घर पहुँच गए।

2. □□□□□□ :Mittu : Hindi Lesson : Questions & Answers

२.मिट्ठू

हिंदी प्रश्न उत्तर

CBSE Board Class : 3rd

अठन्नी	=	पचास पैसे का सिक्का
खरीदना	=	मूल्य देकर लेना
कठघरा	=	पिंजरा
घाव	=	चोट
मलहम	=	दवाई
खजाना	=	भंडार

१. किस शहर में सर्कस कंपनी आई थी?

उत्तर : सर्कस कंपनी लखनऊ शहर आई थी।

२. कहानी में मिट्ठू किसका नाम है?

उत्तर : कहानी में मिट्ठू बंदर का नाम है।

३. सर्कस कंपनी में कौन-कौन-से जानवर थे?

उत्तर : सर्कस कंपनी में शेर, चिता, भालू और अन्य कई जंवर थे।

४. मिट्ठू किससे घुल-मिल गया था?

उत्तर : मिट्ठू गोपाल नाम के लडसे घुल-मिल गया था ।